

## समुद्री कवक

[स्रोत: डाउन टू अर्थ](#)

समुद्री कवक, जो महासागरीय बायोमास का 5% भाग है, पारस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा समुद्री तटों पर पी जाने वाली चट्टानों से लेकर गहरे जल में उगते हैं।

- **समुद्री कवक: समुद्री कवक सूक्ष्म जीव होते हैं**, जो समुद्र में पाए जाते हैं, तथा अपघटन, सहजीवन और जैवसक्रिय यौगिकों के उत्पादन में प्रमुख भूमिका निभाते हैं।
- **प्रकार: अनिवार्य समुद्री कवक** (वशिष्ट रूप से समुद्री), वैकल्पिक समुद्री कवक (स्थलीय वातावरण से विकसित, समुद्री आवासों में जीवित रह सकते हैं)
- **उत्तरजीविता की रणनीतियाँ:** समुद्री कवक बेहतर संसाधन प्रबंधन के लिये कोशिका रूप में परिवर्तित कर **फ़ीसट फ़िमाइन की स्थितियों के अनुकूल बन जाते हैं**।
  - उदाहरण के लिये समुद्री शैवाल पर पाया जाने वाला **[?/?]**, अपने पोषक को पचाने के लिये बैक्टीरिया से एंजाइम उत्पन्न करता है।
- **पारस्थितिक महत्त्व:** समुद्री कवक **पोषक चक्रण, पारस्थितिकी तंत्र स्थिरता के लिये महत्त्वपूर्ण हैं**।
  - **लाइकेन**, जो एक सहजीवी संबंध (कवक और शैवाल का एक साथ रहना) दर्शाते हैं, समुद्री पारस्थितिकी तंत्र में भी योगदान देते हैं।
- **कवक: ये यूकैरियोटिक जीव परपोषी** (अन्य पौधों या जानवरों का उपभोग करने वाले) होते हैं, जो मृतजीवी (मृत और सड़ते जीवों को खाने वाले) या परजीवी के रूप में कार्य करते हैं।
  - **कवक बीजाणुओं** के माध्यम से यौन या अलैंगिक रूप में प्रजनन करते हैं। **RH व्हटिकर** ने कवक को एक अलग बहुकोशिकीय यूकैरियोटिक जगत के रूप में वर्गीकृत किया है।
- **कवक औषधि (जैसे, एंटीबायोटिक)**, भोजन और उद्योग में लाभदायक होते हैं, लेकिन इनसे बीमारियाँ भी उत्पन्न होने की संभावना होती है साथ ही ये **वधिकात्त माइकोटॉक्सिन भी उत्पन्न कर सकते हैं**।

और पढ़ें: [कवक जगत का वर्गीकरण](#)